TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 214
दि. 05.12.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

'भारत भाग्यशाली है, मोदी देश के लिए जीते और सांस लेते हैं'- पुतिन

(जीएनएस)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चार साल से अधिक समय बाद भारत की अपनी पहली दो दिवसीय यात्रा गुरुवार शाम को शुरू की। 4 दिसंबर को शाम 7 बजे दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर पुतिन के उतरने पर, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए व्यक्तिगत रूप से रूसी राष्ट्रपति का स्वागत किया। पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए पुतिन से पहले हाथ मिलाया और इसके बाद गले लगाकर उनका अभिनंदन किया।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की और कहा,"भारत भाग्यशाली है कि उसे पीएम मोदी जैसा नेता मिला।

पुतिन ने इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में कहा, "प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए जीते और सांस लेते हैं," उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्कों पर पीएम मोदी के रुख की भी सराहना की! पुतिन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी "दबाव के आगे झुकने वाले नहीं हैं।" "पीएम मोदी किसी दबाव में झुकते नहीं, डट कर खड़े रहते हैं"

पुतिन ने कहा, "भारत एक महान शक्ति है, कोई अंग्रेजी या ब्रिटिश उपनिवेश नहीं, और सभी को इसे ध्यान में रखना होगा।" उन्होंने भारत-रूस के ऐतिहासिक रक्षा और व्यापार संबंधों पर भी जोर दिया। पुतिन ने कहा कि भारतीय वास्तव में अपने नेता पर गर्व कर सकते हैं क्योंकि "प्रधानमंत्री मोदी ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो आसानी से दबाव के आगे झुकते हों।" पुतिन ने आगे कहा , " पीएम मोदी का रुख अटल और सीधा है, बिना किसी टकराव के।हमारा लक्ष्य संघर्ष को

भड़काना नहीं है; बल्कि, हमारा लक्ष्य अपने कानूनी अधिकारों की रक्षा करना है। भारत भी ऐसा ही करता है।" "पीएम मोदी से मिलना दिलचस्प होता है" पुतिन ने मोदी से बातचीत को "बड़ा सुखद" अनुभव बताया और उन्हें "ईमानदारी वाला व्यक्ति" कहा। वह भारत और रूस के बीच आर्थिक सहयोग, रक्षा, मानवीय जुड़ाव व उच्च-प्रौद्योगिकी जैसे व्यापक क्षेत्रों में संबंध मजबूत करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं। उनसे मिलना बहुत दिलचस्प होता है।"

प्रधानमंत्री मोदी की पिछली मास्को यात्रा के दौरान, पुतिन ने याद किया कि उनके बीच "पूरी तरह से दोस्तों जैसी" दिलचस्प बातचीत हुई थी। पुतिन ने बताया, "वह मेरे निवास पर आए, हमने पूरी शाम चाय पीते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की।"

गौरतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री मोदी के आमंत्रण पर गुरुवार को दो दिवसीय नई दिल्ली दौरे पर पहुँचे। यह यात्रा वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद आठ दशकों पुरानी द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित है। इसमें रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी सहयोग प्रमुख रहेगा।

लगभग तीन महीने पहले, शंघाई सहयोग संगठन (रउड) शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के तियानजिन में मोदी और पुतिन मिले थे। तब पुतिन ने मोदी को अपनी गाड़ी में सैर कराकर एक प्रतीकात्मक हावभाव दिया, जिसने वैश्विक ध्यान खींचा। यह भू-राजनीतिक तनावों व मॉस्को से भारत के संबंधों को लेकर अमेरिका के टैरिफ दबाव के बीच आया था।

यूपी में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सामने आए सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी कार्यकताओं को दे दिया ये मंत्र

यूपी में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पात्र वोटरों का नाम किसी भी स्थिति में न छूट जाए, इसको लेकर लगातार प्रयास हो रहा है। सीएम योगी ने इस मामले में निर्देश दिया है।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार शाम राजधानी लखनऊ स्थित एनेक्सी भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में भाजपा पदाधिकारियों, पार्षदों, पूर्व पार्षदों और वार्ड चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्ष्क) अभियान में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएम ने स्पष्ट कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है, ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्षदों को पूरी मजबूती के साथ घर-घर पहुंचकर मतदाताओं की सहायता करनी होगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए। घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाएं और 5झ10 दिसंबर तक हर बूथ पर विशेष कैंप लगाएं। सीएम ने कार्यकर्ताओं को बड़ा टास्क दिया है। दरअसल, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (SIR) में ब्लॉक लेवल ऑफिसर (BLO) घर-घर

जाकर मतदाताओं का विवरण भरवा रहे हैं। इस प्रपत्र में मतदाता का नाम, आयु, पता, पारिवारिक जानकारी आदि शामिल होती है।

सीएम योगी ने क्या कहा?

सीएम योगी ने कहा कि बीएलओ के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने में सहयोग करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र मतदाताओं का प्रपत्र जमा हो जाए। मृतक या फर्जी मतदाताओं के नाम सूची से हटाने में भी कार्यकर्ता मदद करें, ताकि सूची पूरी तरह शुद्ध बन सके। सीएम योगी के इस निर्देश को लेकर अलग चर्चा तेज हो गई है।

हर बूथ पर 10 सदस्यीय टीम

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक बूथ पर बूथ अध्यक्ष, बीएलए, बूथ समिति सदस्य, वरिष्ठ कार्यकर्ता की 10 सदस्यीय टीम गठित की जाए, जो एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी करेगी और बीएलओ का सहयोग करेगी। सीएम योगी ने विशेष रूप से कहा कि महिला मतदाताओं को फॉर्म भरने में परेशानी न हो, इसके लिए भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं की एक अलग टोली बनाई जाए।

सीएम योगी ने कहा कि यह टोली घर-घर जाकर महिला मतदाताओं का फॉर्म भरवाएगी। कैंपों में सहायता करेगी। छूटे हुए फॉर्म भरवाने में मदद करेगी। फॉर्म भरने के बाद डिजिटल एंट्री पर जोर दिया है।

केवल फॉर्म न भरवाएं

योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से कहा कि केवल फॉर्म भरवाना पर्याप्त नहीं है। उसे डिजिटल कराना और ई-रोल में सही ढंग से दर्ज कराना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे लोगों की डिजिटल एंट्री करवाने में भी सहायता करें। खासकर उन लोगों की, जिन्हें डिजिटल प्रक्रिया समझने में कठिनाई होती है।

सीएम ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है। ऐसे में फर्जी मतदाताओं के नाम हटवाए जाएं। मृतक मतदाताओं के नाम सूची से हटे हों, इसकी पुष्टि की जाए। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि कार्यकताओं की भी है।

5 से 10 तक विशेष कैंप

सीएम योगी ने सभी बूथों पर 5झ 10 दिसंबर तक विशेष कैंप लगाने के निर्देश दिए हैं। इन कैंपों में गणना प्रपत्र जमा किए जाएंगे। लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने-संशोधन में सहायता दी जाएगी। डिजिटल एंट्री की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

भारत में RT World लॉन्च करेंगे पुतिन, बेरोजगारों के लिए बंपर Jobs! कौन कर सकता है अप्लाई?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुंचे हैं। यह उनकी यूक्रेन युद्ध के बाद पहली भारत यात्रा है, जिस पर दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। इसी

यात्रा के दौरान रूस का सरकारी टीवी नेटवर्क आरटी (RT) शुक्रवार को दिल्ली के एक 5 स्टार होटल से अपना भारतीय प्रभाग लॉन्च करेगा। इस दौरान पुतिन का एक छोटा इंटरव्यू भी संभव माना जा रहा है। दिल्ली में लॉन्च होगा RT India, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में बने हाई-टेक स्टूडियो और सौ से ज्यादा कर्मचारियों के साथ RT इंडिया, रूस टुडे नेटवर्क का दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी उद्यम बनने जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की किस बात ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कर दिया सरप्राइज?

(जीएनएस)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने दिल्ली पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रहा यह दौरा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से है। दिसंबर में होने वाली इस वार्षिक बैठक की मेजबानी भारत और रूस बारी-बारी से करते हैं।

4 दिसंबर को जब रूसी राष्ट्रपति भारत की धरती पर कदम रखा तो वो सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखकर अचंभित रह गए क्योंकि उनके लिए पीएम मोदी द्वारा एयर पोर्ट पर स्वागत करना एक सरप्राइज था।

काले सूट-बूट पहने पुतिन जैसे ही अपने विशेष विमान से राष्ट्रपति पुतिन पालम हवाई अड्डे उतरे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं उनका स्वागत किया।

दरअसल, पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पुतिन को रिसीव करने पहुंचे थे। गर्मजोशी सेउनसे हाथ मिलाया और फिर उन्हें गले लगाया। यह अप्रत्याशित और स्नेहपूर्ण स्वागत रहा।

रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन भी हुआ सरप्राइज

आजतक की रिपोर्ट के अनुसार रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी के इस अप्रत्याशित स्वागत की उन्हें कोई जानकारी नहीं थी, जिससे वे आश्चर्यचकित रह गए।

इसके तुरंत बाद, दोनों नेता एक ही टोयोटा एसयूवी में सवार होकर प्रधानमंत्री आवास के लिए रवाना हुए, जहां शिखरवार्ता होनी है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन का यह दो दिवसीय भारत दौरा खास है। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई व्यापार तथा रक्षा सौदे किए जाएंगे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने गुरुवार को पहले कहा था कि यदि संयुक्त राज्य अमेरिका को रूसी ईंधन खरीदने का अधिकार है, तो भारत को "वही विशेषाधिकार" क्यों नहीं मिलना चाहिए।

उन्होंने भारत पर ट्रंप के शुल्कों पर बोलते हुए स्पष्ट किया, "भारत द्वारा रूस से ऊर्जा संसाधनों की खरीद के संबंध में, मैं यह पुनः उल्लेख करना चाहूंगा, कि अमेरिका खुद अभी भी अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए हमसे परमाणु ईंधन खरीदता है।"

भारत ने नई दिल्ली में 20वीं यूनेस्को अंतर-सरकारी समिति की मेजबानी की

भारत 8 से 13 दिसंबर 2025 तक लाल किला, नई दिल्ली में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा हेतु अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की मेजबानी कर रहा है। इसके उद्देश्य

और लक्ष्य निम्नलिखित हैं:

यूनेस्को आईसीएच सूची में शामिल होने के लिए सदस्य देशों द्वारा प्रस्तुत नामांकनों की जांच करना, मौजूदा तत्वों की स्थिति की समीक्षा करना, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता प्रदान करना

यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में भारत के वर्तमान 15 तत्व अंकित हैं। इन तत्वों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है । बैठक के दौरान उठाए जाने वाले संभावित मुख्य मुद्दे इस प्रकार हैं: मौजूदा सूचीबद्ध तत्वों के बारे में राज्यों द्वारा प्रस्तुत सुरक्षा रिपोर्टों का मूल्यांकन

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कोहिमा युद्ध समाधि स्थल का दौरा किया और श्रद्धांजलि अर्पित की

पूर्वोत्तर में ऐतिहासिक और उभरते सांस्कृतिक स्थलों का सम्मान

सांस्कृतिक पर्यटन और समुदाय-नेतृत्व वाली गतिविधियों को अधिकतम प्रोत्साहन

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज कोहिमा युद्ध समाधि स्थल का दौरा किया, जहां स्थानीय अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ने द्वितीय विश्व युद्ध के निर्णायक घटनाक्रमों में से एक कोहिमा के युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि यह युद्ध समाधि स्थल साहस, बलिदान और साझा इतिहास का जीवंत प्रतीक है। यह न केवल एक महत्वपूर्ण विरासत स्थल है, बल्कि ऐसा स्थान भी है जो देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को लगातार आकर्षित करता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कच्छ के धोरडो से रणोत्सव 2025-26 का शुभारंभ कराया

- धोरडो में रणोत्सव में 'एकत्व झ एक देश, एस गीत, एक भावना' की संस्कृति को उजागर करने वाली कृतियों का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ
- मुख्यमंत्री ने कच्छ के पर्यटन को गति देने के लिए लखपत किलो, तेरा हेरिटेज विलेज तथा धोरडो के 179 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का ई-लोकार्पण तथा शिलान्यास किया

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- प्रधानमंत्री की प्रेरणा से शुरू हुआ रणोत्सव आर्थिक-सामाजिक विकास का श्रेष्ठ उदाहरण तथा ग्लोबल इवेंट बना है
- समाज, संस्कृति एवं समृद्धि के संगम से रचा गया 'धोरडो मॉडल' विश्वभर के विशेषज्ञों के लिए एक केस स्टडी
- रणोत्सव में परंपरागत कच्छी भूंगा तथा आधुनिक टैंट सिटी से प्रधानमंत्री का 'विकास भी, विरासत भी' का दृष्टिकोण साकार हुआ
- रणोत्सव में पर्यटकों की सुविधा के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की राज्य सरकार की मंशा

गांधीनगर,04 दिसंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को सफेद रेगिस्तान धोरडो से कच्छ रणोत्सव 2025 का शुभारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कच्छ के रण (रेगिस्तान) को पर्यटन का तोरण (वंदनवार) और विश्व के लिए फेवरेट टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने का सपना साकार हुआ है।

इस संदर्भ में श्री पटेल ने जोड़ा कि रणोत्सव अब ग्लोबल इवेंट बन गया है और प्रधानमंत्री की प्रेरणा से समाज, संस्कृति एवं समृद्धि के संगम से रचा गया धोरडो मॉडल विश्वभर के विशेषज्ञों के लिए केस स्टडी बना है।

मुख्यमंत्री ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष होने के अवसर को जोड़ने वाले 'एकत्व झ एक देश, एक गीत, एक भावना' थीम आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों, कच्छी कला तथा गुजरात की संस्कृति को उजागर करने वाली कृतियों के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ रणोत्सव का उद्घाटन किया।

उन्होंने कच्छ के पर्यटन को गति देने के लिए लखपत किला, तेरा हेरिटेज विला और धोरडो के 179 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का ई-लोकार्पण तथा शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री कुँवरजीभाई बावळिया तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा उपस्थित थे।

भारतीय नौसेना ने तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट नौसेना दिवस 2025 के अवसर पर समुद्री शक्ति का परिचालन प्रदर्शन किया

राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुईं

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना ने 3 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम समुद्र तट पर एक शानदार 'परिचालन प्रदर्शन' के माध्यम से अपनी परिचालन क्षमता और समुद्री क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस विशाल आयोजन ने नौसेना की दुर्जेय युद्ध क्षमताओं, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और परिचालन तत्परता को जीवंत किया, साथ ही देश की बढ़ती समुद्री शक्ति और आत्मनिर्भरता को भी दर्शाया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का स्वागत नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने किया। आगमन पर मुख्य अतिथि को 150 जवानों द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

केरल के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर तथा केरल के

मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों, वरिष्ठ केंद्रीय एवं राज्य के सरकारीअधिकाररियों, सैन्य अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने इस कार्यक्रम को देखा।

इस ऑपरेशन डेमो में अग्रिम पंक्ति के प्लेटफार्मों द्वारा समन्वित युद्धाभ्यास का एक रोमांचक प्रदर्शन किया गया, जो नौसेना की समुद्री क्षेत्र में शक्ति और सटीकता प्रदान करने की क्षमता का प्रतीक था। स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत सहित बीस से अधिक नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों ने एयर असेट्स और इलीट मरीन कमांडो (एमएआरसीओएस) के साथ नौसेना की ताकत और परिचालन उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन किया।

इसके अतिरिक्त, सी कैडेट कोर द्वारा हॉर्नपाइप नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नौसैनिक कर्मियों द्वारा तेजी से किए गए क्रमबद्ध ड्रिल 'कंटीन्यूटी ड्रिल्स' ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रधानमंत्री ने श्री स्वराज कौशल जी के निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री स्वराज कौशल जी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने कहा कि श्री स्वराज कौशल जी ने एक विधिवेत्ता और एक ऐसी हस्ती के रूप में अपनी पहचान बनाई जो वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कानूनी पेशे का

इस्तेमाल करने में विश्वास रखते थे। श्री मोदी ने कहा, "वे भारत के सबसे युवा राज्यपाल बने और राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। एक सांसद के रूप में उनकी अंतर्दृष्टि भी उल्लेखनीय थी।"

तत्काल बुकिंग प्रणाली में एक महत्वपूर्ण संशोधन लागू

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा रेलवे बोर्ड से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, तत्काल बुकिंग प्रणाली में एक महत्वपूर्ण संशोधन लागू किया जा रहा है। अब तत्काल टिकट केवल सिस्टम द्वारा जनरेट किए गए वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के सत्यापन के बाद ही जारी किए जाएंगे। यह ओटीपी उस मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा जो यात्री द्वारा बुकिंग के समय प्रदान किया गया है, और ओटीपी के सफल सत्यापन के बाद ही टिकट जारी किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ओटीपी-आधारित तत्काल प्रमाणीकरण प्रणाली को प्रारंभिक रूप से 01 दिसंबर 2025 से ट्रेन संख्या 12009/12010 मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस में लागू किया गया था। अब यह ओटीपी-आधारित तत्काल प्रमाणीकरण प्रणाली 05 दिसंबर 2025 से निम्नलिखित ट्रेनों में भी लागू की जा रही है:

ट्रेन संख्या 12227/12228 मुंबई सेंट्रल - इंदौर दुरंतो एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12239 मुंबई सेंट्रल - हिसार दुरंतो एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12267/12268 मुंबई सेंट्रल - हापा दुरंतो एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12297 अहमदाबाद - पुणे दुरंतो एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12462 साबरमती - जोधपुर वंदे भारत

ट्रेन संख्या 12951 मुंबई सेंट्रल झ नई दिल्ली राजधानी तेजस

ट्रेन संख्या 12953 मुंबई सेंट्रल झ हजरत निजामुद्दीन ए.के. राजधानी तेजस एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12957 साबरमती झ नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

नई प्रणाली कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों, अधिकृत एजेंटों, आईआरसीटीसी वेबसाइट तथा आईआरसीटीसी मोबाइल ऐप के माध्यम से की जाने वाली सभी तत्काल बुकिंग पर लागू होगी। इस बदलाव का उद्देश्य तत्काल बुकिंग प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना तथा वास्तविक यात्रियों को तत्काल टिकट प्राप्त करने में बेहतर सुविधा प्रदान करना है।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे बुकिंग के समय वैध मोबाइल नंबर अवश्य उपलब्ध कराएँ, ताकि ओटीपी सत्यापन प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके। पश्चिम रेलवे द्वारा सभी यात्रियों से इस महत्वपूर्ण बदलाव पर ध्यान देने का आग्रह किया गया है।

एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मेंटेनेंस कमांड एयर मार्शल यल्ला उमेश ने बेस रिपेयर डिपो तुगलकाबाद का दौरा किया

(जीएनएस)।

एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मेंटेनेंस कमांड, एयर मार्शल यल्ला उमेश, ने आज 04 दिसंबर 2025 को बेस रिपेयर डिपो, तुगलकाबाद का दौरा किया। उनके साथ क्षेत्रीय वायु सेना परिवार कल्याण संघ की अध्यक्ष श्रीमती श्रीवल्ली भी थीं। वायु सेना स्टेशन तुगलकाबाद के एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर कमोडोर डीएन साहू और एएफएफडब्ल्यूए की स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रीति साहू ने उनका स्वागत किया।

एयर मार्शल को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इसके उपरांत उन्हें डिपो के कामकाज, नवोन्मेष, उपलब्धियों और जारी पहल से अवगत कराया गया। एयर मार्शल यल्ला उमेश ने विभिन्न अनुभागों में पहुंचकर परियोजनाओं की समीक्षा की और परिचालन आवश्यकता अनुरूप स्वदेशीकरण और नवीन समाधानों के डिपो के प्रयासों की सराहना की।

स्टेशन कर्मियों के साथ संवाद में एयर मार्शल ने आयात पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी क्षमता सुदृढ़ कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने क्षेत्रीय इकाइयों को उन्नत तकनीकी और परिचालन सहायता सुनिश्चित करने में सभी कर्मियों की भागीदारी, समर्पण और पेशेवर रुख की सराहना की।

एयर मार्शल यल्ला उमेश ने तकनीकी कौशल और बेहतर बनाने, सभी भूमिकाओं में दक्षता और उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने की आवश्यकता भी रेखांकित की। एयर मार्शल ने सभी वायु योद्धाओं से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और चुस्त रहने का आ'ान किया ताकि परिचालन तत्परता और उभरती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति सजगता बनी रहे।

परामर्शदात्री समिति द्वारा पीएम-डिवाइन योजना की प्रगति की व्यापक समीक्षा

विकास परियोजनाओं की बेहतर निगरानी और समय पर क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया

प्रत्येक पूर्वोत्तर राज्य में एकीकृत पर्यटन सर्किट विकसित करने की योजना को समिति का समर्थन प्राप्त हुआ

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) की परामर्शदात्री समिति की बैठक 3 दिसंबर, 2025 को केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया की अध्यक्षता में संसदीय सौध भवन में हुई। बैठक में केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री श्री सुकांत मजूमदार भी शामिल हुए।

श्री सिंधिया ने लोकसभा और राज्यसभा की समिति के सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि समिति की बैठकें पूर्वोत्तर राज्यों में निवेश और विकास प्रगति पर निरंतर संवाद का एक अभिन्न अंग हैं। उन्होंने परामर्शदात्री समिति की बैठकों के दौरान सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और बहुमूल्य अंतर्दृष्टि के लिए उनका धन्यवाद भी किया।

पीएम-डिवाइन (पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री विकास पहल) को मंत्रालय की सबसे महत्वपूर्ण योजना बताते हुए, श्री सिंधिया ने बताया कि इस योजना की परिकल्पना केंद्रीय बजट वर्ष 2022-2023 में की गई थी। इस योजना का वर्ष 2022-2023 से 2025-2026 की अवधि के लिए कुल परिव्यय 6600 करोड़ रुपये है। 31 अक्टूबर, 2025 तक लगभग 5,700 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। लगभग 176 करोड़ रुपये की स्वीकृत परियोजनाओं में से तीन पूरी हो चुकी हैं और लगभग 5,500 करोड़ रुपये की 41 परियोजनाएं वर्तमान में प्रगति पर हैं। इसके अलावा, 111 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी गई है और 625 करोड़ रुपये की और परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। मंत्रालय योजना परिव्यय का पूरा उपयोग करने की दिशा में अग्रसर है।

समिति के सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने असम, नागालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा में कार्यान्वयन के अंतर्गत परियोजनाओं का विशिष्ट विवरण प्रदान किया। त्रिपुरा में पर्यटन क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए एक सुझाव पर मंत्री महोदय ने बताया कि राज्य सरकारों के परामर्श से चिन्हित चयनित स्थानों पर, प्रत्येक पूर्वोत्तर राज्य में विश्व-स्तरीय सुविधाओं के साथ पर्यटन सर्किट विकसित किए जाएंगे। शुरूआत में, मेघालय में सोहरा सर्किट और त्रिपुरा में माताबारी सर्किट को पायलट आधार पर लिया जा रहा है। मेघालय-सोहरा सर्किट की आधारशिला पहले ही रखी जा चुकी है जबकि त्रिपुरा-माताबारी सर्किट अनुमोदन के अंतिम चरण में है। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के अलावा पर्यटन सर्किट परियोजना में पर्यटन में वृद्धि और बेहतर पर्यटक अनुभव के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले कुशल जनशक्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्षमता निर्माण पर मजबूत ध्यान दिया जाएगा।

केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित 'काशी तमिल संगमम 4.0' में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की इकाई केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्प्रदर्शनी के तीसरे दिन हजारों की संख्या में छात्र-छात्राओं, तमिलनाडु से आये हुए डेलिगेट्स एवं आम लोगों द्वारा प्रदर्शनी का किया गया अवलोकन

'काशी तमिल संगमम 4.0' में तमिलनाडु से आये हुए डेलिगेट्स ने केंद्रीय संचार ब्यूरो की चित्र प्रदर्शनी को सराहा, कहां चित्र प्रदर्शनी में काशी एवं तमिल की विभूतियों का है अद्भुत संगम

प्रदर्शनी में चित्र प्रतियोगिता का किया गया आयोजन, विजेता छात्र-छात्राओं को केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा किया गया पुरस्कृत

प्रदर्शनी को डिजिटल रूप में भी किया गया है प्रदर्शित, जिसके माध्यम से 'काशी तमिल संगमम 4.0' के साथ साथ केंद्र सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियां एवं सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों को दशार्या जा रहा है

(जीएनएस)।

वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित 'काशी तमिल संगमम 4.0' में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की इकाई केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रदर्शनी के तीसरे दिन आज हजारों की संख्या में स्कूलों से आये हुए छात्र - छात्राओं, तमिलनाडु से आए हुए डेलिगेट्स तथा स्थानीय लोगों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। तमिलनाडु से काशी तमिल संगमम में आये हुए डेलिगेट्स द्वारा प्रदर्शनी की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि इस चित्र प्रदर्शनी में काशी और तमिलनाडु की महान विभूतियों का अद्भुत संगम है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा प्रदर्शनी देखने आये हुए स्कूलों के छात्र - छात्राओं के बीच चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता छात्र - छात्राओं को पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने वाले 'काशी तमिल संगमम' के इस चतुर्थ संस्करण में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु एवं काशी की महान विभूतियों के राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं उनकी उपलब्धियां को दशार्या गया है। चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु की महान विभूतियों जैसे ऋषि अगस्त्य, तमिल महिला कवि संत अव्वैयार, तमिल कवि संत तिरुवल्लुवर, कवयित्री और संत कारैकल अम्माइयार, भक्ति आंदोलन की कवि एवं संत अंडाल (कोधाई), थिरूनावुक्कारसर, तमिल कवि और समाज सुधारक श्री रामलिंग स्वामी (वल्लालर), तमिल विद्वान यू. वी. स्वामीनाथ अय्यर, अग्रणी समाज सुधारक, चिकित्सक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, ब्रिटिश भारत में पहली महिला विधायक डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी, गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन, अविष्कारक और उद्योगपति जी.डी. नायडू, खगोलशास्त्री सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, नोवेल पुरस्कार विजेता वेंकटरामन रामकृष्णन, स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, नोबेल पुरस्कार विजेता एवं महान वैज्ञानिक चंदशेखर वेंकट रमन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सुप्रसिद्ध राजनेता एवं भारत रत्न के. कामराज, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध राजनेता चिदंबरम सुब्रमण्यम, महान अभिनेता एवं राजनेता एम. जी. रामचंद्रन इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों एवं शब्दों में दशार्या गया है।

इसी प्रकार काशी की महान विभूतियां जैसे - संत कबीरदास, संत रविदास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शिक्षाविद पंडित मदन मोहन मालवीय, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खान, विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार पंडित रविशंकर, महान साहित्यकार जयशंकर प्रसाद इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों शब्दों के माध्यम से दशार्या गया है।

चित्र प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किये जा रहे सरकार के जन कल्याणकारी नीतियों, प्रयासों एवं योजनाओं को भी दशार्या गया है। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा हाल में श्रम सुधार के लिए बनाये गये कानूनो, विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी के दरों को कम करने के लिये किए गये प्रयासों की जानकारी दर्शकों और जनसामान्य के लिए प्रदर्शित की गई है। चित्र प्रदर्शनी को डिजिटल रूप में भी प्रदर्शित किया गया है, जिसमें काशी तमिल संगमम

बनास डेयरी का क्षेत्रीय दौरा करेंगे श्री अमित शाह तथा सांसदगण

सहकारिता मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति दौरे के दौरान 'सहकारी डेयरी विकास' से संबंधित प्रगति की समीक्षा करेगी

श्री अमित शाह बायो-सीएनजी एवं उर्वरक संयंत्र का उद्घाटन करेंगे तथा पाउडर एवं बेबी फूड संयंत्र का भूमिपूजन करेंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में सहकारी आंदोलन देशभर में ग्रामीण समृद्धि, मूल्य संवर्धन और सतत विकास का एक सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है

इस दौरे का उद्देश्य, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि पर आधारित और श्री अमित शाह के नेतृत्व में क्रियान्वित 'सहकारी मॉडल' द्वारा 'सहकार से समृद्धि' तथा 'विकसित भारत' के लक्ष्यों की प्राप्ति में किये जा रहे योगदान को दशार्ना है

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति डेयरी विकास, परिपत्र अर्थव्यवस्था, कृषि मूल्य संवर्धन, पशुधन उत्पादकता, जल संरक्षण तथा

ग्रामीण सहकारिता सशक्तीकरण के क्षेत्रों में बनास डेयरी द्वारा की गई विविध पहलों की समीक्षा करेगा। 4 से 6 दिसंबर 2025, तक बनासकांठा स्थित बनास डेयरी का क्षेत्रीय दौरा यह भी प्रदर्शित करेगा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण पर आधारित और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में मंत्रालय के माध्यम से लागू सहकारी मॉडल 'सहकार से समृद्धि' तथा 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्यों को कैसे सार्थक रूप से आगे बढ़ा रहा है। सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर एवं श्री मुरलीधर मोहोळ, सहकारिता मंत्रालय के सचिव तथा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरे में भाग लेंगे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में सहकारिता मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की तीसरी बैठक, 6 दिसंबर 2025 को बनासकांठा स्थित बनास डेयरी परिसर में आयोजित होगी जिसमें 'सहकारी डेयरी विकास' से संबंधित विभिन्न पहलों की समीक्षा की जाएगी।

दौरे के दौरान, श्री अमित शाह 6 दिसंबर 2025 को सनादर में आयोजित जनसभा में शामिल होंगे और अगथाला बायो-सीएनजी एवं उर्वरक संयंत्र का उद्घाटन करेंगे, जो सर्कुलर अर्थव्यवस्था की एक महत्त्वपूर्ण पहल है और किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में भी योगदान देगी। जनसभा के दौरान श्री अमित शाह सनादर में अत्याधुनिक 150 टीपीडी मिल्क पाउडर एवं बेबी फूड संयंत्र का भूमिपूजन भी करेंगे।

इससे पूर्व, सांसदगण बनास डेयरी के पालनपुर मुख्यालय में स्थित उन्नत प्रसंस्करण सुविधाओं—जैसे चीज, यूएचटी और प्रोटीन संयंत्र—का दौरा करेंगे, जहाँ अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से वे-प्रोटीन रिकवरी द्वारा हाई-प्रोटीन लस्सी, छाछ एवं अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

इसके अलावा, संसदीय दल रैय्या में डामा सीमेन स्टेशन और एम्ब्रियो ट्रांसफर लैब में पशुधन-केंद्रित पहलों की समीक्षा करेगा।

जमीनी स्तर की सहकारी संस्थाओं की भूमिका समझने हेतु, दल 5 दिसंबर 2025 को डीसा स्थित शेरपुरा गांव डेयरी सहकारी समिति (वीडीसीएस) का दौरा करेगा। इसके बाद वे थराड स्थित बनास सॉयल टेस्टिंग लैब की समीक्षा करेंगे।

संसदीय दल झेरडा गांव के अमृत सरोवर का भी दौरा करेगा, जो बनास डेयरी द्वारा विकसित 319 अमृत सरोवरों में से एक है।

पर्यावरणीय सततता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए, बनास डेयरी ने 9 करोड़ से अधिक सीड बॉल्स और पौधारोपण गतिविधियों का संचालन किया है।

चांदी के आभूषणों के लिए अनिवार्य एचयूआईडी पर अपडेट, शुद्धता की गारंटी और नकली हॉलमार्किंग पर रोक लगाने में एक महत्वपूर्ण कदम

(जीएनएस)।

चांदी के लिए अनिवार्य एचयूआईडी लागू होने के बाद पहले तीन महीनों के भीतर, 17 लाख से ज्यादा चांदी की हॉलमार्किंग की जा चुकी है, जो ज्वैलर्स और उपभोक्ताओं के बीच इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दशार्ता है। हालाँकि चांदी हॉलमार्किंग योजना स्वैच्छिक बनी हुई है, फिर भी हॉलमार्क वाली किसी भी चांदी की वस्तु के लिए एचयूआईडी मार्किंग अनिवार्य कर दी गई है ।

मजबूत रुझानः 17 लाख से अधिक वस्तुओं को पहले ही एचयूआईडी के साथ हॉलमार्क किया जा चुका है

सिल्वर एचयूआईडी पोर्टल की शुरूआत के बाद से, यानी तीन महीनों के भीतर, 17 लाख से ज्यादा चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग की जा चुकी है। शुद्धता ग्रेड 925 और 800, सभी हॉलमार्क वस्तुओं का लगभग 90% हिस्सा हैं। एचयूआईडी की शुरूआत के बाद इसमें उल्लेखनीय तेजी देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में, लगभग 32 लाख चांदी की वस्तुओं की हॉलमार्किंग की गई। यह उछाल एचयूआईडी प्रणाली में उपभोक्ताओं और ज्वैलर्स के मजबूत विश्वास को दशार्ता है।

चांदी की हॉलमार्किंग के ट्रेंड्स दशार्ते हैं कि देश का दक्षिणी क्षेत्र हॉलमार्किंग के मामले में सबसे आगे है, उसके बाद पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्र का स्थान है। उत्पाद श्रेणियों में, पायल/ एंकलेट की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है और ये मुख्य रूप से 800 शुद्धता ग्रेड में हॉलमार्क की जाती हैं। इसके बाद चांदी के दीये आते हैं, जो आमतौर पर 800 और 925 शुद्धता ग्रेड में होते हैं।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रहलाद जोशी ने ट्वीट कर बताया कि - "चांदी के आभूषणों में हॉलमार्किंग में एचयूआईडी शुद्धता आश्वासन को मजबूत करने और नकली हॉलमार्किंग प्रथाओं को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वैच्छिक (बीआईएस) हॉलमार्क वाली चांदी की वस्तुओं पर एचयूआईडी अनिवार्य होने के साथ, प्रत्येक आभूषण पर एक विशिष्ट 6-अंकीय पहचान कोड होता है जो पूर्ण डिजिटल ट्रेसेबिलिटी और बेहतर उपभोक्ता संरक्षण को सक्षम बनाता है। एचयूआईडी प्रणाली के तहत पहले से ही 17.35 लाख से अधिक वस्तुओं की हॉलमार्किंग की जा चुकी है, यह पहल उपभोक्ताओं और हितधारकों के बीच अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वास पैदा कर रही है।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने 1 सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए अनिवार्य हॉलमार्किंग विशिष्ट पहचान (एचयूआईडी) लागू करने की घोषणा की है, जो उपभोक्ता संरक्षण, शुद्धता आश्वासन को मजबूत करने और नकली हॉलमार्किंग को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम है ।

एचयूआईडी क्या है?

एचयूआईडी एक छह अंकों का अल्फान्यूमेरिक कोड है जो प्रत्येक हॉलमार्क वाली चांदी की वस्तु पर लेजर से अंकित होता है, साथ ही बीआईएस मानक चिह्न, शब्द रक्छशएफ और शुद्धता ग्रेड भी अंकित होता है। यह विशिष्ट पहचानकर्ता प्रत्येक हॉलमार्क वाली चांदी की वस्तु की पूरी डिजिटल ट्रेसेबिलिटी प्रदान करता है, जिससे चांदी की हॉलमार्किंग, सोने के लिए मौजूदा एचयूआईडी-आधारित हॉलमार्किंग प्रणाली के समकक्ष हो जाती है।

बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से सत्यापन आसान हुआ

उपभोक्ता बीआईएस केयर मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध) पर एचयूआईडी दर्ज करके हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों की प्रामाणिकता तुरंत सत्यापित कर सकते हैं। ऐप में निम्नलिखित प्रमुख विवरण प्रदर्शित होते हैं:

आभूषण की शुद्धता

आभूषण का प्रकार (अंगूठी, पायल, चेन, आदि)

हॉलमार्किंग के लिए आभूषण प्रस्तुत करने वाले जौहरी का विवरण

परख एवं हॉलमार्किंग केंद्र का विवरण

यह पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और उपभोक्ताओं को सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

मेरा गाँव मेरी धरोहर योजना के तहत 6.38 लाख गाँव की सांस्कृतिक मानचित्रण किया गया

(जीएनएस)।

देश भर में सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए मेरा गांव मेरी धरोहर (एमजीएमडी) कार्यक्रम के तहत पहचाने गए गांवों की संख्या 6,38,365 है, जिनमें से अब तक 6,23,449 गांवों का डेटा एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है।

अपने दस्तावेजीकरण कार्यों के तहत, एमजीएमडी, सांस्कृतिक तत्वों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करता है, जिसमें मूर्त और अमूर्त दोनों प्रकार के तत्व शामिल हैं, जिनमें मौखिक परंपराएं, विश्वास, रीति-रिवाज, ऐतिहासिक महत्व, कला के रूप, विरासत स्थल, पारंपरिक भोजन, प्रमुख कलाकार, मेले और त्यौहार, पारंपरिक पोशाक, आभूषण और स्थानीय स्थल शामिल हैं।

एमजीएमडी कार्यक्रम स्थानीय परंपराओं, प्रथाओं और विरासत संपदाओं को मान्यता प्रदान करने वाले प्रामाणिक, ग्राम-स्तरीय सांस्कृतिक प्रोफाइल तैयार करके ग्रामीण पहचान को सुदृढ़ करता है। यह एमजीएमडी पोर्टल के माध्यम से समुदाय-आधारित दस्तावेजीकरण और जन-आधारित सत्यापन को सक्षम करके सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है। एक ही राष्ट्रीय पोर्टल पर संरचित सांस्कृतिक डेटा की उपलब्धता सांस्कृतिक क्लस्टर विकास, विरासत पर्यटन और पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने की योजना बनाने में सहायक होती है, जिससे सतत आजीविका सृजन और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान मिलता है।

यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

एएसआई ने राष्ट्रीय महत्व के 3,685 प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण और रखरखाव का कार्य शुरू किया

राष्ट्रीय संस्कृति कोष (एनसीएफ) का उद्देश्य विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाना है

(जीएनएस)।

1976 से अब तक विदेशों से कुल 655 पुरावशेष प्राप्त किए गए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) देश भर में राष्ट्रीय महत्व के 3,685 प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण और रखरखाव का कार्य करता है, जिसमें पेयजल, शौचालय, रास्ते और भू निर्माण जैसी सुविधाओं का प्रावधान शामिल है। इन स्मारकों और स्थलों का रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है और इसे आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है।

2007 में स्थापित राष्ट्रीय स्मारक एवं पुरावशेष मिशन ने 11,406 निर्मित धरोहरों एवं स्थलों, तथा 12,46,211 पुरावशेषों से संबंधित आँकड़े संकलित एवं प्रकाशित किए हैं। ये आँकड़े एनएमएमए की वेबसाइट ६६६.ल्लें.ल्लू.ल्ल पर प्रकाशित किए गए हैं।

सरकार ने 1996 में चैरिटेबल एंडोमेंट एक्ट, 1890 के तहत एक ट्रस्ट के रूप में राष्ट्रीय संस्कृति कोष (एनसीएफ) की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास तथा भारत की सांस्कृतिक विरासत के समग्र संवर्धन के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाना था।

एनसीएफ में योगदान करते समय, कोई भी दाता/प्रायोजक किसी भी स्मारक के संरक्षण या उसके आसपास सुविधाओं के विकास हेतु किसी परियोजना का उल्लेख कर सकता है। संरक्षित स्मारकों का संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किया जाता है और उसका रखरखाव भी वही करता है। सभी दाता एजेंसियाँ एनसीएफ और एएसआई द्वारा निर्धारित मानदंडों का पालन करती हैं।

केन्द्रीय संरक्षित स्मारकों के लिए पीपीपी मोड के तहत एनसीएफ द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी एएसआई, दाता और एनसीएफ को शामिल करते हुए परियोजना कार्यान्वयन समिति द्वारा नियमित रूप से की जाती है।

केन्द्रीय संरक्षित स्मारकों के संरक्षण के लिए कॉर्पोरेट, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या गैर-लाभकारी संगठनों सहित किसी भी निजी पार्टी को अनुमति देने के लिए कोई पायलट परियोजना शुरू नहीं की गई है।

यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

एक स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति के पक्ष में भारत-रूस के लिये रणनीतिक दिशा भी तय कर सकती पुतिन की भारत यात्रा

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसम्बर को भारतीय राजकीय दौरे पर आ रहे हैं। ये साल 2021 के बाद पहली बार होगा जब ब्लादिमीर पुतिन भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत में होंगे। भारत और रूस के बीच एक विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। दोनों ही राष्ट्र कई अहम मौकों पर एक-दूसरे के साथ खड़े हुए नजर आए हैं। राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा के दौरान भारत और रूस अतिरिक्त एस- 400 सिस्टम और सुखोई-57 लड़ावू विमानों को लेकर रक्षा समझौते पर बात आगे बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा रूस से कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग पर भी वार्ता हो सकती है। राष्ट्रपति पुतिन की ये यात्रा रूस और भारत को परमाणु ऊर्जा, तकनीक और कारोबार के क्षेत्र में अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मौका भी देगी। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चार साल बाद यह यात्रा हो रही है बल्कि इसलिए भी है कि लंबे समय से चले आ रहे वैश्विक संघर्ष और अमेरिकी टैरिफ के दबाव से खंडित हो रही वैश्विक भू-राजनीति में यह एक स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति के पक्ष में दोनों देशों का एक रणनीतिक दिशा भी तय कर सकती है। रूस के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने रूस के सरकारी टीवी से बात करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा पर जोर देते हुए कहा है कि ये यात्रा भव्य और कामयाब होगी। राष्ट्रपति पुतिन की ये भारत यात्रा भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता का भी संकेत देती है। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के दबाव को भारत टालता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर भारी टैरिफ भी लगाए हैं और प्रतिबंध भी लगाए हैं जिससे अमेरिका और भारत के संबंधों पर भी इनका असर पड़ा है। विश्लेषक भी मान रहे हैं कि पुतिन की ये यात्रा भारत और रूस के रक्षा संबंधों को और मजबूत कर सकती है और वैश्विक सुरक्षा को एक नया आकार भी दे सकती है। भारत और रूस के संबंध काफी पुराने हैं जो शीत युद्ध के समय से ही चले आ रहे हैं। भारत रूसी हथियारों के सबसे बड़े खरीददारों में से एक है और यह भी नहीं भूला जाना चाहिए कि रूसी एस- 400 एयर डिफेंस प्रणाली ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के लिए कितनी उपयोगी रही है। पूर्व राजनयिक मेजर जनरल (रिटायर्ड) मंजीत सिंह पुरी ने कहा, दुनिया के दो अहम देशों रूस और भारत का उच्चतम स्तर पर एक साथ आना खास तौर पर महत्वपूर्ण है। उन्होंने भी कहा कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस से मिले हथियार खासकर एस-400 ने भारत के लिए अहम भूमिका निभाई। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस ने भारत को सस्ते तेल की आपूर्ति बताई जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को राहत मिली। भारत के वुल तेल आयात का 35 फीसदी रूस से होता है, लेकिन दो बड़ी रूसी तेल वंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत को भी इस खरीद में कमी लाने पर मजबूर किया है। लिहाजा ऊर्जा व्यापार के लिए एक स्थायी व स्थिर तंत्र को कायम करना भी इस मुलाकात में चर्चा का विषय हो सकता है, जिसकी अमेरिका पर नजर होगी। एक अमेरिकन विश्लेषक ने कहा कि भारत और रूस दोनों एक-दूसरे के करीब आए हैं क्योंकि दोनों ही अमेरिका से दबाव महसूस कर रहे है। चूंकि भारत-रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है और इस वजह से हाल के महीनों में भारत ट्रंप प्रशासन के निशाने पर है। भारत और अमेरिका के संबंधों में आई गिरावट के बीच भारत का रूस की तरफ से खुलकर हाथ बढ़ाना हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए। पुतिन की नई दिल्ली को इस यात्रा से भारत-रूस दोनों की तरफ से दुनिया को एक संदेश जरूर जाएगा कि दोनों के पास ही शक्तिशाली दोस्त हैं। भारत ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों में समायोजित होने के लिए राष्ट्रीय हितों व जरूरतों को वैश्विक साझेदारियों का आधार बनाया है। ऐसे वक्त में जब विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर अग्रसर है। भारत को रूस के साथ गहरा सहयोग न केवल आर्थिक, रक्षा व सामरिक हितों को मजबूत करेगा बल्कि पूरे विश्व को राजनीति पर असर डाल सकता है। राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की 33वीं बैठक

योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी और किसान-केंद्रित हो- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह

छोटे किसानों को मिलें ज्यादा से ज्यादा लाभ, उनकी आय भी बढ़े- श्री शिवराज सिंह

बागवानी उत्पाद जल्दी खराब होने से बचाने के लिए रणनीति बनाएं, ताकि सेल्फ लाइफ बढ़े- श्री शिवराज सिंह

किसानों को नुकसान नहीं हो; अवेयरनेस प्रोग्राम चलाएं ठळइ- श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज कृषि भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) के निदेशक मंडल की 33वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर भी उपस्थित थे।

फ्लैगशिप कार्यक्रमों की समीक्षा और रणनीति निर्धारण- बैठक में श्री शिवराज सिंह चौहान ने ठळइ की योजनाओं की समीक्षा की। विशेष रूप से वाणिज्यिक बागवानी विकास योजनाएं, कोल्ड-चेन अवसंरचना परियोजनाएं, क्लस्टर विकास कार्यक्रम (उळ्ढ)- क्षेत्र-विशिष्ट बागवानी क्लस्टरों के माध्यम से उत्पादकता और बाजार जुड़ाव को बढ़ाने की नई पहल, क्लीन प्लांट कार्यक्रम-उच्च मूल्य वाली फसलों के लिए रोग-मुक्त पौध सामग्री उपलब्ध कराने के बारे में चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, पारदर्शी और किसान-केंद्रित हो तथा किसानों को सब्सिडी भी समय पर दी जाएं, इस संबंध में कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने किसानों के हित में, जल्दी खराब होने वाले बागवानी उत्पादों के संबंध में विशेष रणनीति बनाने पर जोर दिया, ताकि इनकी सेल्फ लाइफ बढ़े, किसानों को नुकसान नहीं हो और नुकसान से बचने के लिए अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाए जाएं।

एनएचबी की भूमिका सुदृढ़ करने के लिए मार्गदर्शन- बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बागवानी क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु कई रणनीतिक सुझाव दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, फसलोत्तर प्रबंधन, उत्पादकता वृद्धि पर विशेष ध्यान देने को कहा। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि पूरे समन्वय के साथ किसानों को बाजार, कोल्ड-चेन नेटवर्क और मूल्य संवर्धन के अवसरों से जोड़ने वाली व्यवस्था को सुदृढ़ करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों के फायदे के लिए एनएचबी राज्यवार, क्षेत्रवार रोडमैप बनाकर पूरी ताकत से श्रेष्ठ कार्य करें।

तकनीकी प्रकाशनों का विमोचन- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा तैयार गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस, जैविक खेती मॉडल और उन्नत बागवानी तकनीकों पर आधारित तकनीकी प्रकाशनों का विमोचन किया। ये संसाधन किसानों, उद्यमियों व कृषि विशेषज्ञों के लिए एक उपयोगी संदर्भ सामग्री सिद्ध होंगे। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट सहित कृषि, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, बागवानी उद्योग से जुड़े गैर-आधिकारिक सदस्य उपस्थित रहे। इस व्यापक प्रतिनिधित्व से बैठक में क्षेत्रीय दृष्टिकोण व सहभागी संवाद को बल मिला। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है, जो देशभर में वाणिज्यिक बागवानी और कोल्ड-चेन अवसंरचना के सुदृढ़ विकास के लिए कार्यरत है।

परफॉर्मेंस, सर्विस क्वालिटी और एक्सपीरियंस क्वालिटी पर आईटीयू-ट्राई कार्यशाला का उद्घाटन

(जीएनएस)। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के साथ साझेदारी में आज भुवनेश्वर में परफॉर्मेंस, सर्विस क्वालिटी और एक्सपीरियंस क्वालिटी पर आईटीयू-ट्राई कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस दो दिन के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में दुनिया भर के नेशनल रेगुलेटरी अथॉरिटी (एनआरएएस), सर्विस प्रोवाइडर और तकनीकी विशेषज्ञ एक साथ आए ताकि टेलीकॉम सर्विस-क्वालिटी फ्रेमवर्क पर मिलकर किए जाने वाले कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके। कार्यशाला की शुरूआत एक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद ट्राई के सेक्रेटरी श्री अतुल कुमार चौधरी ने स्वागत भाषण दिया और आईटीयू तथा ओडिशा सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ट्राई के चेयरमैन श्री अनिल कुमार लाहोटी ने उद्घाटन संबोधन किया।

अपने स्वागत भाषण में, श्री अतुल कुमार चौधरी ने पारदर्शी और उपभोक्ता-केंद्रित नियमन के लिए ट्राई की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। उन्होंने सेवा गुणवत्ता कार्यक्रम को मजबूत करने में वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कनेक्टिविटी मानचित्रण, उपग्रह-आधारित गुणवत्ता मूल्यांकन और क्षेत्रीय नियामक पहल पर चर्चा होने से सामूहिक समझ कायम करने में काफी मदद मिलेगी।

उद्घाटन सत्र के दौरान केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर का एक वीडियो संदेश साझा किया गया। उन्होंने नागरिकों के लिए भरोसेमंद और उच्च-गुणवत्तापूर्ण कनेक्टिविटी पर भारत के फोकस के

बारे में बताया, दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत सर्विस क्वालिटी को मजबूत करने के लिए चल रहे प्रयासों से अवगत कराया और वैश्विक मानदंडों और सर्वश्रेष्ठ तौर-तरीकों को आगे बढ़ाने में ट्राई एवं आईटीयू के संयुक्त कार्यों का स्वागत किया।

इस सत्र में आईटीयू टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडर्डाइजेशन ब्यूरो (आईटीयू-टीएसबी) के डायरेक्टर श्री सेइजो ओनो का एक वीडियो संदेश भी शामिल था। इस संदेश में उन्होंने इक्विटेबल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को इनेबल करने में हार्मोनाइज्ड क्यूओएस मानदंडों के वैश्विक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने अलग-अलग देशों के लिए सही क्यूओएस और क्यूओई फ्रेमवर्क डिजाइन करने में सदस्य देशों को समर्थन करने के आईटीयू की प्रतिबद्धता को दोहराया।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, ओडिशा सरकार के मुख्य सचिव, आईएएस श्री मनोज आहूजा ने लोगों की सुरक्षा और आपदा मोचन प्रणाली में दूरसंचार सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। चक्रवात और सुनामी अलर्ट के साथ ओडिशा के अनुभव से सीखते हुए, उन्होंने समावेशी विकास, आर्थिक विकास और प्रभावी लोक सेवा वितरण में दूरसंचार सेवा की मुख्य भूमिका पर जोर दिया। यह देखते हुए कि आज कल्याण से जुड़ी लगभग हर प्रणाली कनेक्टिविटी पर निर्भर करता है, उन्होंने जोर दिया कि समय पर चेतावनी और समुचित सेवा वितरण के लिए मजबूत क्यूओएस और क्यूओई सिस्टम जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'आज दूरसंचार समावेशी विकास, आर्थिक विकास और हर बड़े कल्याण कार्यक्रम का लाभ पहुंचाने में आधार का काम करता है। ग्रामीण शासन और पंचायत सेवा के ऑनलाइन होने से लेकर सार्वजनिक कार्य के बेहतर कार्यान्वयन तक, कनेक्टिविटी अब रोजमर्रा के जीवन के हर पहलू को छूती है।' उन्होंने यह भी कहा कि 'उपभोक्ता-केंद्रित क्यूओएस पर लगातार फोकस, जिसे राज्यों और देशों के बीच समन्वय से समर्थन मिलना बहुत जरूरी है क्योंकि हम सभी के लिए सेवा गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है।'

उद्घाटन भाषण देते हुए, ट्राई के चेयरमैन श्री अनिल कुमार लाहोटी ने डिजिटल रूप से सबको साथ लेकर चलने वाला टेलीकॉम इकोसिस्टम बनाने में भारत की तरक्की और रोजमर्रा की जिंदगी में कनेक्टिविटी की बदलाव लाने वाली भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया भर में 5जी सेवा को सबसे तेजी से शुरू किया है, जिसे 1.23 बिलियन से अधिक दूरसंचार ग्राहक और लगभग 99 प्रतिशत 4जी कवरेज का समर्थन मिला है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में डेटा की खपत का स्तर लगातार बढ़ रहा है, साथ ही सस्ते टैरिफ भी हैं जो सभी सामाजिक-आर्थिक समूह के लिए बड़ी डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करते हैं।

श्री लाहोटी ने शहरी-ग्रामीण अंतर को कम करने, मोबाइल-बेस्ड फाइनेंशियल इनक्लूजन को मुमकिन बनाने और दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत प्रक्रियात्मक कार्यक्रम को आसान बनाने में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए भारत के एक मॉडल के तौर पर उभरने पर जोर दिया। उन्होंने भवनों के लिए ट्राई के सेवा गुणवत्ता रेटिंग कार्यक्रम को सेवा गुणवत्ता मूल्यांकन में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक जरूरी पहल बताया और भवनों के अंदर होने वाले डेटा इस्तेमाल के बड़े हिस्से को देखते हुए इनडोर कनेक्टिविटी को मजबूत करने की बढ़ती जरूरत पर ध्यान केंद्रित किया।

इसके बाद उन्होंने गहरे मल्टीलेटरल कोलेबोरेशन की जरूरत पर जोर दिया और धोखाधड़ी की रोकथाम, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क इंटरऑपरेबिलिटी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए क्यूओएस और क्यूओई पर एशिया के लिए एक आईटीयू रीजनल ग्रुप बनाने की मांग की। उन्होंने कहा, 'भारत का अनुभव दिखाता है कि कैसे व्यापक दूरसंचार नीति, नियामक सुधार और मजबूत सहयोग समावेशी विकास और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा दे सकते हैं।' उन्होंने कहा कि समन्वित क्षेत्रीय प्रयासों से पूरे एशिया में क्यूओएस और क्यूओई फ्रेमवर्क को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

पहले सेशन के आखिर में, आईटीयू के स्टडी ग्रुप एडवाइजर मिस्टर मार्टिन एडॉल्फ ने कार्यशाला आयोजित करने के लिए ट्राई और समर्थन के लिए ओडिशा सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा कि ये चचाएं सीधे तौर पर क्यूएसडीजी के ग्लोबल क्यूओएस और क्यूओई फ्रेमवर्क को मजबूत करने के भविष्य के काम के बारे में बताएंगी।

वर्कशॉप में 4 दिसंबर को चार विषय आधारित सत्र हैं, जिसमें कनेक्टिविटी मानचित्रण, उपग्रह सेवा निष्पादन, मापन विधि और पूरे एशिया में सेवा गुणवत्ता पहल पर एक क्षेत्रीय पैनल शामिल है। इन सेशन में रेगुलेटर, इंडस्ट्री लीडर और एक्सपर्ट टूल, मेथड और रेगुलेटरी नजरिए का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ आए। 5 दिसंबर को, प्रोग्राम क्वालिटी ऑफ सर्विस डेवलपमेंट ग्रुप (क्यूएसडीजी) की मीटिंग के साथ जारी रहेगा, जिसके बाद आईटीयू-टी स्टडी ग्रुप 12 की 'एनआरए रिपॉजिटरी' पहल पर एक रैपॉर्टर ग्रुप मीटिंग होगी, जिसका मकसद रेगुलेटर द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले क्यूओएस और क्यूओई पैरामीटर की एक ग्लोबल लाइब्रेरी बनाना है।

वर्कशॉप का मकसद क्यूओएस और क्यूओई मैनेजमेंट में मुख्य

भारत भर में सभी डाक घर आपीपीबी सेवा प्रदान करते हैं और आईपीपीबी कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) से जुड़े हैं

घर पर बैंकिंग सेवा देने के लिए सभी पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) को स्मार्टफोन और बायोमेट्रिक उपकरण दिए गए हैं

(जीएनएस)। आईटी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 के तहत, डाक विभाग (डीओपी) ने अत्याधुनिक डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) प्लेटफॉर्म को सफलतापूर्वक शुरू किया है। यह एक स्वदेशी, क्लाउड-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र (सीईपीटी) ने आंतरिक स्रोतों की मदद से विकसित किया है और मेघराज 2.0 क्लाउड पर होस्ट किया है। एपीटी ग्राहकों की बढ़ती उम्मीदों को पूरा करने के लिए तेज और स्केलेबल है और इसे 4 अगस्त 2025 को पूरे देश में शुरू किया गया है, जिसमें 23 डाक सर्कल के लगभग 1.70 लाख कार्यालय शामिल हैं। ब्रांच पोस्ट ऑफिस को भी इन-हाउस डिजिटल रूरल एंटरप्राइज एप्लीकेशन फॉर मोबाइल (ड्रीम) ऐप चलाने वाले एंड्रॉयड स्मार्टफोन दिए गए हैं ताकि ग्रामीण इलाकों में सर्विस डिलीवरी, बेहतर कनेक्टिविटी और उपयोगकताओं के अनुभवों को और मजबूत किया जा सके। कोर बैंकिंग सॉल्यूशन के तहत, 25022 डिपार्टमेंटल पोस्ट ऑफिस नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

सभी पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) को घर-घर बैंकिंग सर्विस देने के लिए स्मार्टफोन और बायोमेट्रिक उपकरण दिए गए हैं। डीओपी ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के जरिए अपनी वित्तीय सेवा बढ़ाई हैं, जैसे अकाउंट खोलना, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस), डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी), थर्ड-

पार्टी के जरिए बीमा सेवा, डाक घर बचत खाते, क्रेडिट रेफरल सुविधा, किसी भी नागरिक के लिए आधार में मोबाइल नंबर अपडेट और 5 साल से कम उम्र के किसी भी बच्चे के लिए चाइल्ड आधार एनरोलमेंट सर्विस। पूरे भारत में सभी डाक घर आईपीपीबी सेवा देते हैं और आईपीपीबी कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) से जुड़े हैं।

लॉजिस्टिक्स संगठनों के रुप में डाक घर

डाक विभाग ने गति, भरोसा और ग्राहकों के अनुभव बेहतर बनाने के लिए पार्सल प्रोसेसिंग और डिलीवरी इकोसिस्टम को आधुनिक बनाने जैसे जरूरी कदम उठाए

डाक विभाग ने एक बड़े पब्लिक लॉजिस्टिक्स संगठन में बदलाव लाने और देश भर में अपनी पार्सल सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की हैं। मुख्य उपायों में देश भर में स्टैंडर्ड सिस्टम के जरिए स्पीड, भरोसा और उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पार्सल प्रोसेसिंग और डिलीवरी इकोसिस्टम को मॉडर्न बनाना शामिल है। मैकेनाइज्ड और डेडिकेटेड पार्सल डिलीवरी के लिए नोडल डिलीवरी सेंटर के साथ लास्ट-माइल डिलीवरी को बेहतर बनाया गया है। एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी (एपीटी) 2.0 प्रोजेक्ट के तहत, रियल-टाइम डिलीवरी अपडेट, ओटीपी-बेस्ड डिलीवरी और ई-कॉमर्स और दूसरे कस्टमर्स के साथ एपीआई इंटीग्रेशन शुरू किया गया है। मेल और पार्सल ऑप्टिमाइजेशन प्रोजेक्ट (एमपीओपी) के तहत ऑटोमेशन, स्टैंडर्ड वर्कफ़्लो और पार्सल सॉर्टर और रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के जरिए एंड-टू-एंड प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन किया गया है। विभाग बड़ी ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों के साथ भी साझेदारी कर रहा है और पार्सल डिलीवरी के लिए एमएसएमई मंत्रालय समेत कई सरकारी मंत्रालयों को सर्विस दे रहा है। इसके अलावा, एमएसएमई, कारीगरों, सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स और छोटे बिजनेस, खासकर ग्रामीण और सेमी-अर्बन इलाकों में, एक्सपोर्ट को सपोर्ट करने के लिए 1,013 डाक घर निर्यात केन्द्र (डीजीएनके) बनाए गए हैं।

यह बदलाव एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और मेल पार्सल ऑप्टिमाइजेशन प्रोजेक्ट के तहत सुझावों के आधार पर इसे फेज में लागू किया जाएगा। डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स ने 'नो यूअर डिजीपिन' एप्लिकेशन शुरू किया है। यह नेशनल डिजिटल एड्रेस डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) की बेसिक लेयर है।

एड्रेस-एज-ए-सर्विस (एएएएस) - एड्रेस डेटा मैनेजमेंट से जुड़ी सर्विसेज की रेंज - के लिए एक डीपीआई विकसित करने के लिए, डिपार्टमेंट ने एक सेंट्रल सेक्टर स्कीम 'ध्रुव' को फाइनल किया है, जिसका मकसद एड्रेस इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट को एक बेसिक पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के तौर पर पहचान देना है, जो असरदार गवर्नेंस, सबको साथ लेकर चलने वाली सर्विस डिलीवरी और बेहतर यूजर एक्सपीरियंस के लिए जरूरी है।

यह जानकारी केन्द्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासनी चंद्रशेखर ने आज राज्यसभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में दी।

राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त (एनसीए-एफ) दिव्यांगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में पर्पल फेस्ट-2025 मनाया

(जीएनएस)। दूरसंचार विभाग के अंतर्गत एक 'सर्वोत्कृष्ट' 5 स्टार-रेटेड केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त (एनसीए-एफ), घिटोरनी ने दिव्यांगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में, दिव्यांगों के सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के सहयोग से 3 दिसंबर, 2025 को बड़े उत्साह के साथ पर्पल फेस्ट-2025 मनाया।

इस उत्सव का उद्घाटन दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की सचिव सुश्री वी. विद्यावती ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में समाज को अधिक समावेशी बनाने के लिए आवश्यक मानसिक बाधाओं को दूर करने को कहा। राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त की महानिदेशक ने सभी प्रतिभागियों को समावेशी शिक्षा, करुणा और सशक्तीकरण के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उप मुख्य आयुक्त सहित दिव्यांगों के सशक्तीकरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने अपने मार्गदर्शन और उत्साहवर्धक शब्दों से इस अवसर को समृद्ध बनाया।

कार्यक्रम में कई विचारपूर्वक गतिविधियां शामिल थी, जिसमें सुश्री इरा सिंघल, आईएएस का प्रेरक

संबोधन, गैर सरकारी संगठनों द्वारा व्यावहारिक सत्र और आकर्षक अनुभव और सहानुभूति एवं पहुंच को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए कई समावेशी कार्यक्रम शामिल थे। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए), मसूरी के सहयोग से राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त में विशेष फाउंडेशन कोर्स कर रहे 15 अखिल भारतीय और केंद्रीय सिविल सेवाओं के वर्ष 2025 बैच के 176 अधिकारी प्रशिक्षुओं ने राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त के संकाय और कर्मचारियों के साथ समारोह में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त के संकाय सदस्यों के लिए दिव्यांगजनों के उप मुख्य आयुक्त द्वारा प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) सत्र आयोजित किया गया। साथ ही, संवेदीकरण और जागरूकता निर्माण के उद्देश्य से सिमुलेशन गतिविधियों की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई।

दिव्यांगजन उद्यमियों, जिनमें बच्चे और युवा भी शामिल थे, द्वारा लगाए गए स्टॉल और प्रदर्शनियों के जीवंत प्रदर्शन को अतिथियों, एनसीए-एफ कर्मचारियों, प्रशिक्षु अधिकारियों, निवासियों और आगंतुकों से उत्साहपूर्वक प्रशंसा प्राप्त किया। उनकी भागीदारी ने उद्यमियों और रचनाकारों को दृश्यता, पहचान और वित्तीय सशक्तीकरण के अवसर प्रदान किए।

पर्पल फेस्ट-2025 प्रतिभा, लचीलेपन और आकांक्षा के उत्सव के रूप में सामने आया, जिसमें समावेशिता की भावना और एक सुलभ और सहानुभूतिपूर्ण समाज के निर्माण की साझा जिम्मेदारी का सम्मान किया गया।

काशी तमिल संगमम् के प्रथम दल के सदस्यों के प्रयागराज आगमन पर उनका भव्य रूप से किया गया स्वागत

(जीएनएस)।

प्रयागराज 04 दिसम्बर

"काशी तमिल संगमम्" कार्यक्रम के प्रथम दल के सदस्यों का गुरूवार को जनपद प्रयागराज आगमन पर महापौर श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी एवं नगर मजिस्टेªट श्री विनोद कुमार सिंह के द्वारा तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर टीम के सदस्यों का भव्य रूप से स्वागत किया गया। प्रथम दल में लगभग 200 सदस्य प्रयागराज आयें। इस अवसर पर जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए। श्री शिवांक द्विवेदी एवं उनकी टीम के सदस्यों द्वारा भजन गाकर लोगो को मंत्रमुग्ध किया। काशी तमिल संगमम् के सदस्यों को गंगा जल भेंट किया गया। इस अवसर पर मा0 महापौर जी के द्वारा दल के टीम लीडर को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अभिलेखागार एवं राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय द्वारा अभिलेख एवं पांडुलिपियों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी, जिसमें कागज तथा ताड़पत्र के पौराणिक ग्रंथो के प्रदर्श विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

इस अवसर पर मा0 महापौर श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने मा0 प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह उनकी सोच का परिणाम है कि हमारे दक्षिण भारत के भाई-बहन उत्तर भारत में आकर भारत की साझा संस्कृति, परम्पराओं, मान्यताओं का अनुभव प्राप्त कर रहे है। आज उत्तर और दक्षिण का संगम इस पावन संगम तट पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस पावन धरा पर आप लोगो का आगमन निश्चित रूप से भारत के उज्ज्वल भविष्य का सूचक है। मा0 प्रधानमंत्री जी ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए जिस प्रकार से अपनी नीतियों के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने का कार्य किया है, वैसे ही किस तरह से समाज समरस हो, समतायुक्त, ममतायुक्त, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत समाज का निर्माण हो, उसके लिए भी कौन-कौन से कार्य हो सकते है, उसको भी करने का कार्य किया है, उसी का परिणाम है यह काशी-तमिल संगमम् यात्रा। उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगमम् यात्रा न केवल उत्तर और दक्षिण को जोड़ने का काम करेगी, बल्कि इस देश के अंदर जाति, भाषा, क्षेत्रवाद का समूल उन्मूलन करने का काम करेगी। उन्होंने यात्रा में सम्मिलित सभी लोगो का स्वागत व अभिनंदन किया।

काशी तमिल संगमम् टीम के सदस्यों को सुसज्जित नावों के द्वारा वीआईपी घाट से संगम ले जाकर मां गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के संगम का अवलोकन/स्नान कराया गया तथा तीर्थराज प्रयागराज के महत्व के बारे में बताया गया। संगम क्षेत्र के अद्भुत एवं मनोहारी दृश्य देखकर सदस्यगण मंत्रमुग्ध हो गये। सदस्यगणों के द्वारा संगम क्षेत्र में वीआईपी घाट पर बनाये गये सैण्ड आर्ट का अवलोकन किया गया।

संगम क्षेत्र कार्यक्रम के पश्चात काशी तमिल संगमम् टीम के सदस्यगणों ने लेटे हनुमान जी का दर्शन एवं पूजन किए। इसके उपरांत टीम के सदस्य शंकर विमान मण्डपम मंदिर, स्वामी नारायण मंदिर भी गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर पाण्डुलिपि अधिकारी श्री गुलाम सरवर सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगणों के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डाक विभाग द्वारा पांच वर्ष से कम आयु वाले 44 बच्चो का निशुल्क नया आधार कार्ड बनाया गया

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। गुरुवार डाक विभाग द्वारा पंचायत भवन बड़ागांव मे एक विशेष शिविर लगाकर पांच वर्ष से कम आयु वाले 44 बच्चो का निशुल्क नया आधार कार्ड बनाया व 11 सुमंगला समृद्धि योजना के खाते खोले तथा डाक विभाग द्वारा संचालित आर डी, एफ डी एव अटल पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी ।

विशेष शिविर का शुभारंभ करते हुए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य गांव के तमाम ऐसे 0 से 5 वर्ष के बच्चे है जिनके किन्ही कारणों से आधार कार्ड नही बन पाये है उनके आधार कार्ड बनवाना एव दस वर्ष से कम आयु वाली बेटियों का सुमंगला समृद्धि योजना के तहत पंजीकरण कराकर खाते का खुलवाना जिससे बेटियों का भविष्य बन सके। किंसिल नाबार्ड के तत्वाधान मे आयोजित विशेष शिविर मे पोस्ट आफिस बिन्दौरा के सहायक बी पी एम उमाशंकर, नाबार्ड से आये विश्वनाथ ने प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, आर डी, एफ डी, आर पी एल आई आदि योजना की जानकारी दी शिविर मे 44 नये आधार कार्ड एव 11 सुमंगला समृद्धि योजना के खाते खोले गये।

बीसीसीएल प्रबंधन एवं प्रशासन इसे गंभीरता से संज्ञान ले – श्रीमती अनुपमा सिंह

(जीएनएस)।

'केंदुआडीह में जहरीली गैस की घटना अत्यंत दुखद और चिंता का विषय है। कोयला मंत्री सहित सभी उच्च पदाधिकारी इस गंभीर मामले का तत्काल संज्ञान लें और गरीब जनता के साथ मजाक करना बंद करें। क्षेत्र में फैली जहरीली गैस का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराते हुए वहाँ बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वास किया जाए।'

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की वर्किंग प्रेसिडेंट श्रीमती अनुपमा सिंह ने रांची से अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एरिया-5 के जीएम साहा से दूरभाष पर बातचीत कर केंदुआडीह गैस रिसाव पर गहरी नाराजगी जताई।

उन्होंने इउउछ प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा—

'केंदुआडीह क्षेत्र में जहरीली गैस का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इस गैस रिसाव के कारण दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो चुकी है तथा कई लोग अस्पताल में इलाजरत हैं। मैं मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूँ और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ। यह घटना अत्यंत गंभीर है और इउउछ प्रबंधन एवं प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए ताकि और कोई जान खतरे में न पड़े।'

उन्होंने आगे कहा—

**'जहरीली गैस के फैलते प्रभाव से पूरा इलाका दहशत में है।

मैं जिला प्रशासन एवं इउउछ प्रबंधन से सख्त आग्रह करती हूँ कि—

तुरंत सभी प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए,

गैस के स्रोत की पहचान कर उसे जल्द से जल्द बंद किया जाए,

प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी राहत शिविर बनाकर सुरक्षित रहने की जगह, भोजन, पानी, चिकित्सकीय सहायता सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।**

साथ ही उन्होंने कहा कि इउउछ और प्रशासन संयुक्त रूप से पूरे क्षेत्र का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर स्थायी समाधान निकालें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

श्रीमती सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा—

'सिर्फ अपील से काम नहीं चलेगा—अब जमीनी कार्रवाई अनिवार्य है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन तुरंत प्रभावी कदम उठाए

राजधानी में फिर पकड़ी गई चंडीगढ़ की शराब आबकारी टीम की तत्परता से पकड़ी गई 443 पेटी शराब भरी ट्रक

(जीएनएस)।

लखनऊ। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश व जिलाधिकारी लखनऊ द्वारा दिए गए आदेशानुसार एवं संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन और उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार के निर्देशन व जिला आबकारी अधिकारी लखनऊ के नेतृत्व में अवैध रूप से मदिरा की बिक्री के रोकथाम के दृष्टिगत चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत, बुधवार की आधी रात आबकारी विभाग, एसटीएफ व थाना इटौंजा लखनऊ द्वारा अवैध विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई। आबकारी निरीक्षक कौशलेंद्र रावत, विजय राठी, अखिल कुमार गुप्ता, अभिषेक सिंह, अखिलेश कुमार, हरिकेश शुक्ला और आबकारी टीम द्वारा थाना इतौंजा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक ट्रक वाहन संख्या ढइ 65 अल 3597 से 443 पेटी गैर प्रांत की अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। संयुक्त टीम ने इटौंजा टोल प्लाजा सीतापुर रोड के पास से अवैध गैर प्रांत की मदिरा से भरी ट्रक को पकड़ा। पूछताछ में चालक सुशील कुमार निवासी जनपद कांगड़ा हिमाचल प्रदेश ने स्वीकार किया कि शराब चंडीगढ़ से बिहार तस्करी हेतु ले जाई जा रही थी। अभियुक्त के कब्जे से 01 मोबाइल फोन तथा 5700 रुपए नकद भी बरामद किया गया। बरामद शराब में रॉयल स्टैग, बकार्डी, ऑल सीजन, ओल्ड हैबिट ब्रांड की कुल 443 पेटी अवैध शराब जिन पर फार सेल इन चंडीगढ़ आनली अंकित था। वाहन एवं शराब को कब्जे में लेकर सुसंगत धाराओं के तहत थाना इटौंजा में मुकदमा दर्ज हुआ।

इस सफलता पर आबकारी निरीक्षक विजय राठी, अखिल कुमार और कौशलेंद्र रावत ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ लगातार सघन चेकिंग व छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है, ताकि अवैध शराब की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

लखनऊ के थाना आलमबाग क्षेत्र में गांजा बेचना अब लोगो को पड़ेगा भारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। इंस्पेक्टर आलमबाग सुभाष चन्द्र सरोज नशे के कारोबारियों के विरुद्ध हुए सख्त थाना आलमबाग क्षेत्र मवैया चौकी के अंतर्गत घूमघूम कर लोगो को नशे की आगोश में धकेलने वाली एक महिला को एस आई शिव प्रकाश सिंह ने दबोच कर दिखाया हवालात का रास्ता महिला द्वारा मवईया क्षेत्र में घूम-घूम कर करती थी गांजा बेचने का काला कारोबार युवा पीढ़ी को नशे की आगोश में धकेलने का करती थी काम एस आई शिव प्रकाश सिंह व एस आई अभिनन्दन अग्रहरि व कांस्टेबल जयविन्दर सिंह व महिला कांस्टेबल अनामिका सिंह ने महिला अभियुक्त को दबोच कर दिखाया हवालात का रास्ता गिरफ्तार महिला के कब्जे से पुलिस टीम ने बरामद किया 670 ग्राम अवैध गांजा।

सास ने बहु पर लगाया गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप

(जीएनएस)।

राठ हमीरपुर--- कस्बे के भटियाना इलाके में मामूली विवाद के चलते एक महिला ने अपनी सास के साथ गाली गलौज कर उसके साथ अभद्रता और धक्का मुक्की कर डाली। तथा अपनी सास को घर से निकालने की भी धमकी दे डाली। घटना के बाद पीड़ित महिला ने राठ कोतवाली में लिखित तहरीर देकर बहू के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

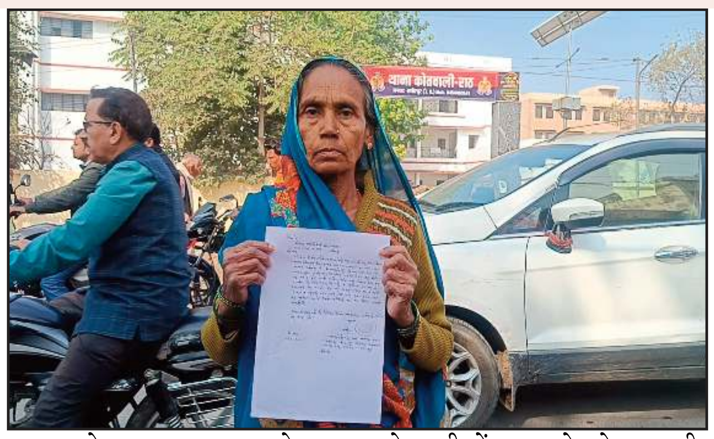

राठ कस्बे के भटियाना इलाके की निवासी महिला उषा पत्नी ललिता प्रसाद ने आज गुरुवार को रात कोतवाली में घटना के लेकर तहरीर देकर बताया कि उसकी बहू आए दिन उसके साथ झगड़ा करती है। बताया कि आज गुरुवार को उसकी बहू बेवजह उसके साथ झगड़ा करते हुए गाली गलौज करने लगी। तथा विरोध करने पर मारपीट करने के लिए आमादा हो गई। तथा उसे घर पर निकालने की धमकी देने लगी। बताया कि उसने राठ कोतवाली में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में राठ कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी।

आसाराम पर भड़की रेप पीड़िता पहुंची सुप्रीम कोर्ट, जमानत रद कराने के लिए क्या कहा?

(जीएनएस)।

लखनऊ। आसाराम जमानत याचिका रेप केस के मामले में धर्मगुरु आसाराम बापू को आजीवन कारावास की सजा मिली हुई है, लेकिन हाल ही में उन्हें जमानत मिली थी। यह मामला एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है, क्योंकि उनकी जमानत के खिलाफ रेप पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। पीड़िता ने आसाराम बापू को मिली मेडिकल जमानत तुरंत रद करने की मांग की है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आसाराम बीमार होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन वो देशभर में लगातार घूम रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या उन्हें सच में इलाज की जरूरत है या मेडिकल जमानत सिर्फ जेल से बाहर रहने का बहाना था आसाराम के वकील देवदत्त कामत ने कोर्ट से कहा था कि आसाराम की उम्र 86 साल है और वह हेल्थ रिलेटेड बीमारियों से जूझ रहे हैं, इसलिए जेल से बाहर रहकर उनका इलाज होना जरूरी है। लेकिन पीड़िता के वकील अल्जो जोसेफ ने अदालत को बताया कि अगस्त में जो मेडिकल बोर्ड बनाया था, उसने अपनी रिपोर्ट में

साफ कहा था कि आसाराम की हालत स्थिर है और उन्हें किसी तरह की हॉस्पिटलाइजेशन की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद उन्हें राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को छह महीने की जमानत दे दी थी। इसके बाद नवंबर में गुजरात हाईकोर्ट ने भी इसी फैसले को आधार बनाकर उन्हें जमानत दे दी थी। वकील का कहना है कि जमानत मिलने के बाद आसाराम अहमदाबाद, इंदौर, जोधपुर, ऋषिकेश और महाराष्ट्र जैसे कई शहरों में घूम चुके हैं। उन्होंने अदालत में यह भी बताया कि आसाराम ने कभी लंबे समय तक किसी अस्पताल में इलाज नहीं करवाया और फिलहाल सिर्फ आयुर्वेदिक थेरेपी लेते दिख रहे हैं आसाराम बापू एक भारतीय धार्मिक गुरु हैं। इनका असली नाम असुमल हरपलानी है। वह रेप केस के दोषी पाए जाने के चलते अगस्त 2013 से जेल में बंद हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने जोधपुर के पास अपने आश्रम में 16 साल की लड़की के साथ रेप किया था। पीड़िता उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की रहने वाली है और उसने बताया था कि 15 अगस्त 2013 की रात उसे आश्रम में बुलाकर उसके साथ रेप किया था। इसके बाद गुजरात के सूरत में दो बहनों ने भी उन पर और उनके बेटे नारायण साईं पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की विशेष अदालत ने आसाराम को इस मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उनके सहयोगियों शरद और शिल्पी को भी 20 साल की जेल हुई थी। इसके अलावा उन्हें 2002 के एक और रेप केस में भी दोषी पाया गया और सजा सुनाई गई थी। लगभग 12 साल जेल में रहने के बाद जनवरी 2025 में पहली बार उन्हें अस्थायी मेडिकल जमानत मिली थी।

स्वामी ब्रह्मानंद जी महाराज का दिव्य चित्र प्रदर्शित

131वें जन्मोत्सव पर पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि सभा का भव्य आयोजन

(जीएनएस)।

राठ (हमीरपुर)--- परम पूज्य स्वामी ब्रह्मानंद जी महाराज के 131वें जन्मोत्सव के अवसर पर गुरुवार दोपहर 12 बजे उनकी समाधि पर भव्य पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह सेंगर, प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ. इंद्रपाल सिंह, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित नगर के अनेक गणमान्यजनों ने स्वामी जी की समाधि पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के दंगल प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। मुख्य अतिथि द्वारा स्वामी ब्रह्मानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वामी जी के तप, त्याग और शिक्षा सेवा से भरे जीवन पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में डॉ. उमाकांत सिंह ने महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने की माँग सरकार से की । पूर्व सचिव, भारत सरकार डॉ. बी.के. लोधी ने कहा कि किसी देश को कमजोर करना हो तो उसके युवाओं को नशे की लत लगा दो—आज वही समाज के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। पूर्व मंत्री चौधरी राजेंद्र सिंह ने भी अपने विचार साझा किए। प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ. इंद्रपाल सिंह ने स्वामी जी के जीवन-वृत, उनके आदर्शों और शिक्षा क्षेत्र के प्रति समर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि महाविद्यालय परिवार इसे विश्वविद्यालय बनाने के लिए संकल्पित है। डॉ. कमलेश सक्सेना, सचिव प्रबंध समिति ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और स्वामी जी से जुड़ी स्मृतियाँ सांझा कीं। डॉ. एस.पी. सिंह ने स्वामी जी के साथ बिताए अपने अनुभव बताते हुए कहा कि हमें शिक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए तथा किसानों को यूरिया का कम उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम में विधायक मनीषा अनुरागी ने स्वामी जी के तपस्वी जीवन से प्रेरणा लेने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संदेश दिया एवं महाविद्यालय को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत ने स्वामी जी को अपना जीवन-आदर्श बताया। अंत में मुख्य अतिथि ने कहा कि स्वामी ब्रह्मानंद जी तप, त्याग और शिक्षा के प्रकाश स्तंभ हैं। उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा की ज्योति जगाकर समाज को नई दिशा दी। *कार्यक्रम में उपाध्यक्ष डॉ. अजयपाल सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, लक्ष्मण लाल त्रिपाठी, प्राध्यापक डॉ. एस.जी. राजपूत, डॉ. शैलेंद्र सिंह, ए.एन. शुक्ला, डॉ. आर.बी. शर्मा, तथा धर्मेंद्र सिंह, राजकुमार, राजेश चौरसिया, चंद्रशेखर चौधरी, जिला पंचायत सदस्य रामसजीवन यादव, धर्मपाल सिंह लोधी, दानिश खांन, विपिन कुमार डेविड विधायक काशगंज एटा, बाबू राजपूत, कामता राजपूत, मेराज राइन, डॉ सुल्तान बेग साहब ,डॉ शमीम साहब ,बादशाह खान,इनायत मेंबर, ज्ञानसिंह राजपूत अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, डॉ गुलाब सिंह ए डी एम झांसी, पुष्पेंद्र सिंह चिल्ली, प्रभात राजपूत छिकारा

निर्दोष महान गोहांड, सहित कई सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरजू नारायण ने किया।*

बांदा खुरहण्ड के बीच हो रहे दोहरीकरण और नान इण्टर लाकिंग काम के कारण ट्रेन सेवा रहेगी प्रभावित

कानपुर मानिकपुर मेमो एक सप्ताह के लिए रदद, इण्टर सिटी सहित अन्य ट्रेनों के संचालन पर असर

(जीएनएस)।

मौदहा हमीरपुर। झांसी मंडल के वीरागंना लक्ष्मीबाई झांसी-मानिकपुर सेक्शन में खुरहंड-डिंगवाही-बांदा स्टेशनों के बीच ट्रैक दोहरीकरण के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य होने के कारण ट्रेनें निरस्त रहेंगी। कुछ ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों से रेग्युलेशन होकर (देरी से) चलेंगी। कुछ ट्रेनें भी विभिन्न स्टेशनों के बीच रोक-रोक कर चलाई जाएंगी। एनसीआर सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 11 दिसंबर को 14109 चित्रकूट-कानपुर सेंट्रल, 14110 कानपुर सेंट्रल-चित्रकूट, पांच से 11 दिसंबर तक 64601 मानिकपुर-कानपुर सेंट्रल, 64602 कानपुर सेंट्रल-मानिकपुर इस अवधि में निरस्त रहेगी।

इसके अलावा 18203 दुर्ग-कानपुर सेंट्रल एक और 10 दिसंबर को ओहन-अतर्रा के बीच 30 मिनट, आठ दिसंबर को ओहन-अतर्रा के बीच 60 मिनट, 64602 कानपुर सेंट्रल-मानिकपुर दो, तीन व चार दिसंबर को भीमसेन-बांदा के बीच 30 मिनट देर होकर चलेगी।

04115 सूबेदारगंज-लोकमान्य तिलक टर्मिनल 11 दिसंबर को भीमसेन-खैरार के बीच 60 मिनट देर के साथ चलेगी। इसके अलावा भी करीब आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर रोक-रोक कर चलाई जाएंगी।